vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 16 vad % 28 y[kuÅ] eaxyokj 28 vDrwcj 2025 ls 06 uoEcj 2025 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

छठ महापर्व 2025 : घाट पर छठ व्रतियों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री योगी, गोमती मैया को दुग्ध अर्पित कर किया नमन

लखनऊ। सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर पूरे देश में भक्ति और श्रद्धा का माहौल है। इस पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ घाट पर पहुचकर स्वयं इस महापर्व में शिरकत की। सीएम योगी ने न केवल गोमती नदी के तट पर गोमती मैया की भव्य आरती कर पूजा–अर्चना की, बल्कि उन्होंने छठ व्रतियों का मान बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। उनका यह कदम लोक पर्वों के प्रति सरकार के सम्मान और जन भावनाओं से गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम के अर्घ्य के महत्वपूर्ण समय से पहले लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ घाट पर पहुंचे। घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों की अटूट श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री योगी ने गोमती नदी के तट पर जाकर छठी मैया और सूर्य देव को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने पारंपरिक रीति–रिवाजों का पालन करते हुए गोमती मैया की आरती की, दीप प्रज्वलित किए और पवित्र दुग्ध अर्पित कर पूजा–अर्चना की। मुख्यमंत्री ने स्वयं नदी में दुग्ध प्रवाहित करके प्रेंति और जल स्रोतों के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें सिखाता है कि हमें जीवनदायिनी नदियों और प्रेंति के हर स्वरूप का सम्मान करना

चाहिए, क्योंकि इन सब के प्रति आभार व्यक्त करना ही भारतीय संस्कृति की मूल पहचान है। पूजा–अर्चना संपन्न करने के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ घाट पर की गई सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से यह निर्देश दिए कि घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो, नदी में जलस्तर नियंत्रित रहे और महिला व्रतियों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए। सीएम ने मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या चूक नहीं होनी चाहिए और श्रद्धालुओं की सहायता के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाए २४ घंटे उपलब्ध रहें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई छठ व्रतियों और उनके परिवारों से सीधे बातचीत की, उनका कुशलक्षेम पूछा और उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां कहा कि पर्व और त्योहार केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक भी हैं। लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान स्थित गोमती नदी के तट पर छठ पूजा के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, "पर्व और त्योहार केवल एक आयोजन नहीं है...ये हमारी सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उन्नयन, भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक भी हैं।" अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय द्वारा आयोजित इस समारोह में गोमती तट पर उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भोजपुरी समाज आज देश और दुनिया के हर कोने में छठ पर्व की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कहा, "यह पर्व आत्मशुद्धि और लोक–कल्याण का प्रतीक होने के साथ ही सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश भी देता है।" आदित्यनाथ ने छठी माता की कृपा आमजन पर बने रहने की कामना करते हुए कहा कि दुनिया में ऐसे आयोजनों के उदाहरण मिलना मुश्किल है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल भी उपस्थित थीं। गोमती तट पर स्थित लक्ष्मण मेला मैदान में व्रती महिलाओं ने अमृत विचार के साथ छठ पर्व की महिमा को लेकर बातचीत की है, जिसकी शुरूआत छठी मईया पूरन कीजौ असरा हमार... गीत के साथ हुई। व्रती महिलाओं ने कहा कि छठ पूजा के साथ हमारी भवनायें जुड़ी हैं। साल में ऐसा मौका हमे केवल एक बार मिलता है। इसकी तैयारी हमलोग तीन महिने पहले से शुरू कर देते हैं। व्रत कठिन होने के बाद भी कोई दिक्कत नहीं होती है। क्योंकि छठी मईया की पूजा में बहुत ताकत है, श्रद्धा से कुछ भी करिये सब पूरा होता है। व्रती महिलाओं ने बताया कि छठ माता की सवारी बिल्ली है। छठ मईया की पूजा के समय कई नियमों का पालन करना होता है। पूजा के लिए तैयार की गई डलिया में करीब सात तरह के फल रखने की प्रथा है। साथ ही सूप और गन्ने को भी रखा जाता है। श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई छठी मईया की पूजा से परिवार की सुख समृद्धि बढ़ती है।

Chandrayaan-३ के बाद ISRO का एक और बड़ा कदम, नौसेना के लिए लॉन्च होगा 'गेम चेंजर' CMS-०३

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आगामी २ नवंबर को भारतीय नौसेना के लिए एक अहम मिशन को अंजाम देने जा रहा है। इस मिशन के तहत **CMS&-3** नामक ऐडवांस संचार उपग्रह को लॉन्च किया जाएगा, जिसे **Gsat-7R** के नाम से भी जाना जाता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह उपग्रह भारतीय समुद्री सीमाओं की निगरानी, रियलटाइम कम्युनिकेशन और दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने जैसी नौसेना की रणनीतिक क्षमताओं को और मजबूत करेगा। बता दें कि इस मिशन को अंजाम देने के लिए स्टड–३ प्रक्षेपण यान को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के ल न्चपैड पर पहुंचाया जा चुका है। इसरो ने प्रक्षेपण–पूर्व परीक्षणों की गति को तेज कर दिया है, जबकि मौसम विभाग द्वारा पिछले दिनों चक्रवात की संभावित आशंका को देखते हुए मिशन पर खास निगरानी रखी जा रही थी। माना जा रहा है कि यह उपग्रह ४,४००

किलोग्राम वजनी होगा, जो अब तक भारतीय धरती से भू–समकालिक स्थानांतरण कक्षा में छोड़ा जाने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। गौरतलब है कि **CMS-03** एक मल्टी–बैंड सैटेलाइट होगा, जो नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और टोही विमानों के बीच व इस, वीडियो और डेटा का सुरक्षित संचार सुनिश्चित करेगा। इसे महासागरों के विस्तृत दायरे में ऑपरेशन सपोर्ट देने हेतु डिजाइन किया गया है, जिसके जरिए भारत की समुद्री सुरक्षा और रियलटाइम सर्विलांस क्षमता में बड़ा इजाफा होने की उम्मीद है। इससे पहले इसी स्टड–३ रॉकेट ने चंद्रयान–३ मिशन को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचाने में ऐतिहासिक सफलता दिलाई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि **CMS-03** की लॉन्चिंग भारत के सामरिक शक्ति संतुलन को और अधिक मजबूत करेगी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता को नए स्तर पर ले जाएगी हैं।

दो अलग-अलग घटनाओं में गंगा नदी में डूबने से एक महिला और बच्चे की मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सोमवार को दो अलग–अलग घटनाओं में गंगा नदी में नहाते समय एक महिला और बच्चे की डूबकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार गहमर इलाके के गोविंद राय की रहने वाली पुष्पा देवी छठ पूजा के लिए वेदी बनाने गंगा घाट पर गई थी और उसकी बेटी गायत्री (१२) तथा एक और बच्चा रोहन राजभर (११) उसके साथ था। सूत्रों ने कहा कि जब पुष्पा देवी वेदी बना रही थी, तो दोनों बच्चे नदी में नहाने चले गए और पानी के बहाव में बह गए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए पुष्पा की चीखें सुनकर स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे, गोताखोरों को लगाया गया। सूत्रों ने कहा कि काफी देर तक तलाश करने के बाद रोहन का शव बरामद किया गया। पुलिस थाना प्रभारी दीनदयाल पांडे ने कहा कि गायत्री

को ढूंढने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में कुतुबपुर गांव की रहने वाली चिंता देवी (४०) गंगा में नहाते समय डूब गईं। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया, और नाविकों ने उन्हें बचाया। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सम्पादकीय

लोकपाल का रिकॉर्ड कमजोर भरोसे का ही संकेत

वैसे तो मांग बहुत पुरानी थी, लेकिन २०११ में अन्ना आंदोलन के दौरान लोकपाल की स्थापना को भारतीय व्यवस्था की हर मर्ज के इलाज के रूप में पेश किया गया। नैतिक और राजनीतिक बल के अभाव में तत्कालीन यूपीए सरकार इस आंदोलन के आगे झुकती चली गई। इस तरह ऐसे लोकपाल की स्थापना का कानून बना, जिसके जांच अधिकार के दायरे प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सभी आते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद पहले तो इस संस्था की नियुक्ति में ना–नुकुर दिखाई, मगर आखिरकार २०१६ में उसने सात सदस्यीय लोकपाल का गठन कर दिया। अब वही लोकपाल लग्जरी बीएमडब्लू कारों की खरीदारी का टेंडर निकालने के कारण विवाद के घेरे में है। जो संस्था प्रशासन एवं राजनीति को स्वच्छ बनाने के लिए गठित हुई, उसके सदस्य खुद करदाताओं के धन पर अपनी विलासिता का इंतजाम करते दिख रहे हैं, तो लोकपाल आंदोलन के अनेक समर्थक भी आवाक हैं। वैसे गुजरे छह साल में लोकपाल का रिकॉर्ड भी वैसा ही है, जिस पर ध्यान जाने पर इस संस्था पर हो रहे कुल सरकारी खर्च के औचित्य पर स्वतः सवाल खड़ा हो जाता है। यह लोगों के टूटे भरोसे का ही संकेत है कि इस संस्था के पास दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों की संख्या में भारी गिरावट आ चुकी है। २०२१–२२ और २०२२–२३ में लोकपाल के पास लगभग ढाई– ढाई हजार शिकायतें दर्ज हुई थीं, मगर उसके बाद के वर्षों में यह संख्या तीन सौ से कम रही है। स्थापना के बाद से अब तक इस संस्था के पास कुल ६,६५५ शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, जिनमें से लोकपाल ने सिर्फ २८६ में प्रारंभिक जांच का आदेश दिया और सिर्फ सात मामलों में अभियोग लगाने की इजाजत दी। इन आंकड़ों से खुद अंदाजा लग जाता है कि प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त करने के मकसद में लोकपाल कितना सहायक हुआ है। हकीकत है कि भ्रष्टाचार को उजागर करने में इससे कई गुना ज्यादा कारगर आरटीआई कानून हुआ। मगर उस कानून के बावजूद इस 'रामबाण' के लिए आंदोलन चला, जिसका ऐसा विपरीत हश्र होता दिख रहा है!

राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर की संपत्ति आय से तीन गुना बढ़ी!, जांच की मांग

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर और संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह राणा ने यूपी के ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर तथा उनकी पत्नी की वर्ष २०१७ से २०२२ के बीच उनकी संपत्ति के उनकी आय से तीन गुना बढ़ने के आरोपों के संबंध में यूपी के मुख्यमंत्री को शिकायत भेज कर उच्च स्तरीय जांच की

मांग की है. अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि सोमेंद्र तोमर द्वारा वर्ष २०१७ और २०२२ के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए दाखिल शपथ पत्रों के अनुसार इस अवधि में सोमेंद्र तोमर की कुल आय रु ४३ लाख और उनकी पत्नी की कुल आय रु २६ लाख अंकित है. इस प्रकार इस अवधि में उन दोनों की कुल आय ७२ लाख रुपए है. इसके विपरीत इस ५ वर्ष की अवधि में सोमेंद्र तोमर की कुल चल और अचल संपत्ति की वृद्धि १.८५ करोड़ और उनकी पत्नी की चल और अचल संपत्ति की कुल वृद्धि २८ लाख रुपए दिखती है, अर्थात इस अवधि में उन दोनों के कुल संपत्ति की वृद्धि २.१३ करोड़ दिखती है, जो उनकी कुल आय से लगभग तीन गुना जान पड़ती है. अमिताभ ठाकुर ने कहा कि सोमेंद्र तोमर शांति निकेतन ट्रस्ट नामक एक प्राइवेट ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं. इस ट्रस्ट द्वारा जनवरी २०२३ से अप्रैल २०२५ के बीच कायस्त मावंडी गांव में लगभग १०.५ करोड रुपए में लगभग ४७००० वर्ग मीटर भूखंड खरीदे जाने के तथ्य बताए गए हैं, जिसके आधार पर उन्होंने इस ट्रस्ट की जांच की मांग भी की है. उन्होंने कहा कि यदि एक माह में इस प्रकरण में समुचित जांच नहीं होती है तो वे इस मामले को आगे ले जाएंगे.

योगी की अर्थी निकालो बोलने वाले सुल्तानपुर के प्रभारी CMS पर एक्शन, किया गया सस्पेंड, FIR भी दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक सरकारी ड क्टर को एक वीडियो सामने आने के बाद निलंबित कर दिया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार की ष्शव यात्राष निकालने की बात कही थी। संबंधित अधिकारी, ड . भास्कर प्रसाद, सुल्तानपुर जिले के १०० बिस्तरों वाले बिरसिंहपुर अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) के पद पर कार्यरत थे। विवाद के बाद, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया और विस्तृत जाँच तक अयोध्या मंडल कार्यालय से संबद्ध कर दिया। उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा २६ अक्टूबर २०२५ को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, डॉ प्रसाद की टिप्पणियों को अत्यधिक अनुचित और आपत्तिजनक पाया गया। निलंबन आदेश में कहा गया कि यह टिप्पणी सरकारी सेवा

आचरण नियमों का उल्लंघन है तथा एक लोक सेवक के लिए अनुचित है। उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, १९९९ के नियम ४(१) का हवाला देते हुए, सरकार ने कहा कि अनुशासनात्मक जाँच शुरू कर दी गई है। आदेश में आगे उल्लेख किया गया है कि डॉ. प्रसाद का आचरण सरकारी सेवक आचरण नियमावली, १९५६ के नियम ३ का उल्लंघन है, जिसके अनुसार सरकारी कर्मचारियों को राज्य और उसके नेतृत्व के प्रति निष्ठा और सत्यनिष्ठा बनाए रखना आवश्यक है। निलंबन अवधि के दौरान ड . प्रसाद को अयोध्या में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय से संबद्ध किया गया है तथा बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। उसे निर्वाह भत्ता मिलेगा, बशर्ते वह घोषित करे कि वह किसी अन्य रोजगार या आय के स्रोत में संलग्न नहीं है। आदेश में कहा गया है कि निलंबन तब तक प्रभावी रहेगा जब तक अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी नहीं हो जाती।

गढ़मुक्तेश्वर और तिगरी मेले की तैयारियों का मुख्यमंत्री योगी ने लिया जायजा

लखनऊ/गढ़मुक्तेश्वर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर में लगने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मेला स्थल का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हर वर्ष लगभग ४० से ४५ लाख श्रद्धालु गंगा तट पर स्नान और दीपदान के लिए पहुँचते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ समयबद्ध और समन्वित हों ताकि किसी को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बता दें कि इस वर्ष ३० अक्टूबर से पांच नवंबर तक चलने वाले इस मेले को शमिनी कुंभश के रूप में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रध्द्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। गंगा घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती, सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी, रेस्क्यू बोट और हेल्पलाइन सेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जोड़ा जाए तथा एकल–उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त चेकर प्लेट लगाई जाएं, पैंटून ब्रिज की व्यवहार्यता का परीक्षण किया जाए और कटान क्षेत्रों में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रेजिंग कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान गहराई वाले जल क्षेत्रों में एनडीआरएफध्एसडीआरएफ और फ्लड यूनिट लगातार सतर्क रहें और आवश्यक बैरिकेडिंग की जाए। श्रध्द्धालुओं को अनुशासित व्यवहार हेतु प्रेरित करने के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं। पूरे मेले क्षेत्र में सीसीटीवी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर की सतत निगरानी सक्रिय रहे। पार्किंग स्थलों पर वाहनों की सुरक्षा, प्रसारण व्यवस्था और साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अस्थायी शौचालयों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की प्रणाली लागू की जाए और किसी भी प्रकार की लीकेज

को रोका जाए। घाटों पर भीड़ नियमन, चेंजिंग रूम, स्वच्छ शौचालय, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, और कचरा एवं बोतल संग्रहण प्रणाली को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति और सभी स्थलों पर इलेक्ट्रिक सेफ्टी का ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में आकर्षक सजावट की जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु होर्डिंग्स लगाई जाएं। साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम, अस्थायी अस्पताल, एंटी–स्नेक वैनम और एंटी–रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल में स्नान के दौरान पुलिस और एनडीआरएफ की पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, और २० से २५ किलोमीटर के दायरे में यातायात डायवर्जन योजना प्रभावी रूप से लागू की जाए ताकि किसी प्रकार का जाम न लगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं से कोई अतिरिक्त शुल्क न वसूला जाए और पशुओं के चारे तथा भोजन–पेयजल की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ड्यूटी पर तैनात स्वयंसेवकों के खान–पान की उचित व्यवस्था की जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि गढ़मुक्तेश्वर का यह ऐतिहासिक मेला न केवल आस्था का केंद्र बने, बल्कि व्यवस्था, स्वच्छता और अनुशासन का आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर का यह आयोजन उत्तर प्रदेश की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। सरकार का लक्ष्य है कि यह मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ सम्पन्न हो, ताकि हर आगंतुक इस पावन तीर्थ से शांति और आशीर्वाद लेकर लौटे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में गंगा पूजन किया फिर गढ़ मेला क्षेत्र में स्थापित सदर बाजार का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने गढ़ मुक्तेश्वर में बनाए जा रहे मोढ़े के स्टोर का भी अवलोकन किया और मोढ़े की क्वालिटी की प्रशंसा की। मालूम हो कि गढ़मुक्तेश्वर का धार्मिक और पौराणिक महत्व अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि महाभारत के युद्ध के बाद युधिष्ठिर, अर्जुन और भगवान श्रींष्ण ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहीं गंगा में स्नान किया था। यही वह स्थान है जहाँ भगवान परशुराम ने मुक्तेश्वर महादेव की स्थापना की थी। स्कंद पुराण और महाभारत में गढ़मुक्तेश्वर का उल्लेख एक ऐसे तीर्थ के रूप में मिलता है, जहाँ गंगा स्नान और तर्पण से मोक्ष की प्राप्ति होती है। यहाँ का कार्तिक पूर्णिमा मेला केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा और लोक जीवन का भी प्रतीक है। ब्रिजघाट और मुक्तेश्वर घाट पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु स्नान, दीपदान और पितृ–तर्पण के लिए पहुँचते हैं।

‘कबीरधाम’ के नाम से जाना जाएगा लखीमपुर खीरी का मुस्तफाबाद: CM योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार लखीमपुर खीरी जिले के मुस्तफाबाद गाँव का नाम बदलकर श्कबीरधामश करने का प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बदलाव से संत कबीर से जुड़ी इस क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान फिर से स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन उनकी सरकार द्वारा पूर्व शासकों द्वारा बदले गए स्थानों के नामों को ‘पुनर्स्थापित’ करने के पहले के फैसलों के अनुरूप है। श्स्मृति महोत्सव मेला २०२५श के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार अब धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले स्थलों के पुनरुद्धार पर धन खर्च कर रही है, जबकि पिछली सरकारें ‘कब्रिस्तान’ की चारदीवारी बनाने पर ही पैसा खर्च करती थीं। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर किसी स्थान की पहचान बदलना पाखंड है और कहा कि धर्मनिरपेक्षता के बहाने विरासत

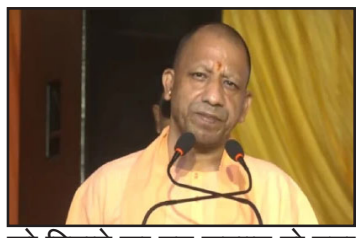

को मिटाने का युग समाप्त हो गया है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि गांव का नाम मुस्तफाबाद रखा गया है, जबकि वहां कोई मुस्लिम आबादी नहीं है। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि जब मैं यहाँ आया तो मैंने इस गाँव के बारे में पूछा, तो मुझे बताया गया कि इसका नाम मुस्तफाबाद है। मैंने पूछा कि यहाँ कितने मुसलमान रहते हैं, तो मुझे बताया गया कि एक भी नहीं है। फिर मैंने कहा कि इसका नाम बदल देना चाहिए। इसे कबीरधाम कहना चाहिए। उन्होंने कहा हम प्रस्ताव लाएँगे और इसे आगे बढ़ाएँगे। यह संत कबीर की विरासत से जुड़े इस स्थान के सम्मान को बहाल करने के बारे में है। आदित्यनाथ ने इसकी तुलना हाल के वर्षों में अपनी सरकार द्वारा की गई नाम परिवर्तन पहलों से की। उन्होंने कहा कि पहले जो लोग शासन करते थे, उन्होंने अयोध्या का नाम बदलकर फैजाबाद, प्रयागराज का नाम बदलकर इलाहाबाद और कबीरधाम का नाम बदलकर मुस्तफाबाद कर दिया था। हमारी सरकार इसे उलट रही है – अयोध्या को पुनर्स्थापित कर रही है, प्रयागराज को पुनर्स्थापित कर रही है, और अब कबीरधाम को उसके सही नाम पर पुनर्जीवित कर रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जागरूकता चौपाल

लखनऊ। प्रदेश में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान तथा स्वावलम्बन हेतु "मिशन शक्ति" विशेष अभियान ५ पाचवें चरण के अन्तर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी कार्ययोजना के अनुसार जिलाधिकारी महोदय के नेतृत्वधनिर्देशन में जिला प्रोबेशन अधिकारी, के आदेशानुसार आज दिनांक २७.१०.२०२५ को ग्राम पंचायत इब्राहिमपुर विकास खण्ड काकोरी, व ग्राम पंचायत खेसरवा उसरना बी०के०टी० जनपद लखनऊ, में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी,बी०के०टी० सुश्री पूजा पाण्डेय,सहायक विकास अधिकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं आंगनवाड़ी कार्यकत्रिया एवं ग्रामीण अंचल की महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को घरेलू हिंसा एवं दहेज उन्मूलन विषय पर जागरूक किया गया, साथ ही

महिला कल्याण विभाग द्वार संचालित योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त उपस्थित महिलाओं को विभिन्न सहायता हेल्प लाईन नम्बर ११२,१०६० इत्यादि की जानकरी दी गयी।

ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, बीबीपुर संकुल बना ओवरऑल चौंपियन

इटौंजा (लखनऊ)। पी.एम. श्री विद्यालय, इटौंजा में आज विकासखंड बख्शी का तालाब

(बीकेटी) के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पंचायत इटौंजा के चेयरपर्सन श्री अवशेष कुमार अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम के आरंभ में विकास खंड के व्यायाम शिक्षकों में नीलम सिंह, राकेश शुक्ला, राकेश बाजपेयी, सुरेश जायसवाल, अनुराग सिंह राठौड़, शैलेश शुक्ला, आशीष कुमार मिश्रा, नीरज मिश्रा, प्रभास बाजपेयी और राम लखन सिंह ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। मेहनत जारी रखने का आह्वान किया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लंबी कूद (बालक वर्ग) में उसरना संकुल के कृष्ण मौर्य, जबकि बालिका वर्ग में कठवारा संकुल की मानसी विजेता रहीं। बालिका वर्ग की दौड़ों में मल्लाहनखेड़ा की मानसी ने ५० और १०० मीटर में जीत दर्ज की, जबकि २०० मीटर में उसी विद्यालय की पल्लवी प्रथम रहीं। बालक वर्ग में ५० मीटर में सोनवा के सूर्य, १०० मीटर में मिश्रीपुर के सौरभ तथा २०० मीटर में मल्लाहनखेड़ा के मयंक ने बाजी मारी। टीम स्पर्धाओं में खो–खो

(बालिका वर्ग) में भैंसामऊ संकुल प्रथम और सराय उसरना संकुल द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि खो–खो (बालक वर्ग) में भैंसामऊ संकुल विजेता बना। जूनियर बालिका वर्ग में १०० मीटर में सराय उसरना की पारुल, २०० मीटर में कठवारा की पारुल, तथा लंबी कूद में रसूलपुर कायस्थ की माही विजेता रहीं। जूनियर बालक वर्ग में १०० मीटर में सराय उसरना के अर्पित, २०० मीटर में नबीकोट नंदना के हर्ष, और लंबी कूद में बीबीपुर संकुल के अर्पित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम स्पर्धाओं में कबड्डी (बालिका वर्ग) में बीबीपुर संकुल ने नबीकोट नंदना को हराया, जबकि खो–खो (बालिका वर्ग) में बीबीपुर संकुल ने कठवारा को पराजित कर खिताब जीता। व्यक्तिगत वर्ग में कठवारा संकुल की मानसी ने १० अंकों के साथ व्यक्तिगत चौंपियनशिप जीती, वहीं ओवरऑल चौंपियनशिप बीबीपुर संकुल ने ७० अंकों के साथ अपने नाम की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और उन्हें आगामी जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए

छठ पर्व की तैयारियों का मंत्री ने लिया जायजा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आगामी छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से आज राजधानी लखनऊ के प्रमुख घाटों झूलेलाल घाट, सांझीया घाट, कुड़िया घाट एवं मेहंदी घाट का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने घाटों पर की गई सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, बैरिकेडिंग, फ गिंग तथा सुरक्षा प्रबंधों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घाटों पर श्रद्धालुओं के आगमन से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक–चौबंद रहें और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छठ पर्व जन–आस्था का पर्व है और प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को पूजा–अर्चना के दौरान सुविधाजनक, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। उन्होंने नगर निगम की टीमों को पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए तथा कहा कि सभी अधिकारी स्वयं स्थल निरीक्षण कर आवश्यक सुधार तत्काल सुनिश्चित करें।मंत्री श्री शर्मा ने घाटों पर मौजूद आमजन व श्रद्धालुओं से भी संवाद किया। श्रद्धालुओं ने सरकार द्वारा की गई साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल आपूर्ति जैसी तैयारियों पर खुशी और संतुष्टि व्यक्त की। मंत्री श्री शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि यह पर्व नारी शक्ति, स्वच्छता और श्रद्धा का प्रतीक है। अतः यह सुनिश्चित किया जाए कि घाटों पर आने वाले किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की समस्या या असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि घाटों

की सुंदरता और स्वच्छता को बनाए रखने में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। नगर विकास मंत्री ने कहा कि छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की आस्था सर्वोपरि है। हमारी जिम्मेदारी है कि वे जब घाटों पर पहुंचे, तो उन्हें भक्ति के साथ–साथ स्वच्छता और सुरक्षा का अनुभव हो। मंत्री श्री शर्मा ने सभी नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दिनों में घाटों पर चौबीसों घंटे निगरानी, स्वच्छता और विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री नीरज बोरा, नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्या लेकर आये लोगों से मिले मुख्यमंत्री, बोले- आपकी सेवा ही सरकार की प्राथमिकता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के उपरांत सोमवार को फिर 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कई जनपदों से आये हर पीड़ित से मुलाकात की, उनके पास पहुंचकर समस्या सुनी, फिर अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं। पीड़ितों से फीडबैक भी लें। इस दौरान लगभग ५० से अधिक पीड़ितों ने अपनी समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। फरियादियों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी सेवा ही सरकार की प्राथमिकता है। 'जनता दर्शन' के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि सरकारी जमीनों पर कब्जा किया गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने इसकी जांच कर तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। वहीं एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा। उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज अधूरी नहीं रहेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज की व्यवस्था के लिए खड़ी है। 'जनता दर्शन' में एक महिला कलाकार भी पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री से बताया कि वे लोकगीत कलाकार हैं। उन्हें सांसेंतिक कार्यक्रम करना है। मंच दिला दीजिये। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल उन्हें कार्यक्रम दिलाने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री बोले कि सरकार हर जनपद में लोककलाओं को प्राथमिकता दे रही है। हर जगह अनेक आयोजन भी कराए जाते हैं। इसमें पंजीकृत व अधिक से अधिक स्थानीय कलाकारों को मौका मिले।

बांग्लादेश भेजे गए परिवार की वापसी पर केंद्र ने हाईकोर्ट आदेश को SC में दी चुनौती

नई दिल्ली। दिल्ली में कूड़ा बीनने का काम करने वाले बीरभूम, पश्चिम बंगाल के एक छह सदस्यीय परिवार को बांग्लादेश भेजे जाने के मामले में अब केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि हाईकोर्ट ने २६ सितंबर को आदेश दिया था कि सुनाली खातून नामक गर्भवती महिला सहित इस पूरे परिवार को चार हफ्तों के भीतर भारत वापस लाया जाए। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुनाली के पिता भोडू शेख ने अगस्त में हाईकोर्ट में हैबियस क र्पस याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया कि सुनाली उस समय आठ महीने की गर्भवती थीं और यह पूरा परिवार भारत का ही मूल निवासी है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फ रेनर्स रिजनल रजिस्ट्रेशन अ फिस के २६ जून के डिपोर्टेशन आदेश को रद्द करते हुए तत्काल वापसी के निर्देश दिए थे। हालांकि, केंद्र सरकार ने २२ अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ याचिका दायर कर दी है। गौरतलब है कि यह परिवार जून में दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र से बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था। इसी आधार पर फ रेनर्स एक्ट १९४६ के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें उसी महीने बांग्लादेश भेज दिया गया। उसके बाद २१ अगस्त को उन्हें वहां अवैध प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि कानून किसी भी एजेंसी को यह अधिकार नहीं देता कि वह बिना पर्याप्त आधार के किसी परिवार को विदेशी करार देकर उसे दूसरे देश भेज दे। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि सुनाली का परिवार बीरभूम का स्थायी निवासी है और लंबे समय से वहां रह रहा था। केंद्र सरकार अब इस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देकर कानूनी स्थिति स्पष्ट करना चाहती है, जबकि परिवार की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही हैं।

भूसा टेंडर में लापरवाही, पांच जिलों के अधिकारियों को चेतावनी

लखनऊ। भूसा टेंडर कार्यों में लापरवाही बरतने पर पांच जिलों के अधिकारियों को चेतावनी दी गई है। स्पष्ट कहा गया है कि अगर कार्यशैली न सुधरी तो सख्त एक्शन होगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि भूसा टेंडर का कार्य तत्काल पूरा किया जाए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने अमरोहा, बागपत, इटावा, शामली और मेरठ के मुख्य पशुचिकित्साधिकारियों को भूसा टेंडर कार्यों में लापरवाही बरतने पर सख्त चेतावनी देते हुए कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गो आश्रय स्थलों में पराग पशु आहार की आपूर्ति स्थानीय दुग्ध समितियों के माध्यम से सुनिश्चित कराई जाए। गोशालाओं में गो कास्ठ, मोक्ष दंडिका के उत्पादन के लिए सीएसआर फण्ड से मशीनें स्थापित की जाए, जिससे गोशालाओं का आर्थिक स्वावलम्बन हो सके। पशुधन मंत्री ने सुझाव दिया कि पराली के बदले में गोआश्रय स्थल से किसानों को गोबर की खाद उपलब्ध करायी जाए। जिलों में पराली संग्रह का अभियान संचालित किया जाए। जिलों में अच्छी गौशालाओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाए। गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगवाये जाए। अवस्थापना के कार्यों को समय से पूर्ण किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। धर्मपाल सिंह ने हिदायत दी है कि किसानों के दुग्ध मूल्य का भुगतान नियमित रूप से किया जाए और एक सप्ताह के भीतर ही भुगतान सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश के किसानों को दूसरे प्रदेशों में भ्रमण कराया जाए ताकि उन्हें दुग्ध उत्पादन की नवीन तकनीकों और गतिविधियों की जानकारी हो सके और वे प्रदेश में नवाचार को अपना सकें।

युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

मैगलगंज खीरी। भट्ठा मोहल्ला के पास खाली पड़ी जमीन पर एक युवक का क्षत विक्षत अवस्था मे शव पड़े होने की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। मृतक युवक की पहचान मैगलगंज थाना क्षेत्र के रहजनिया गांव निवासी दो दिन पूर्व गायब हुए युवक ओमजी यादव के रूप में हुई। रहजनिया गांव निवासी ओमजी यादव पुत्र मानसिंह उम्र लगभग २८ वर्ष पास के एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का कार्य करता था। जो २५ तारीख से शाम ३ बजे घर से लापता हुआ। परिजनों के अनुसार ओमजी यादव ने परिजनों को बताया कि जिस पेट्रोल पंप पर वह काम करता था,वहां उसका विवाद हुआ है। मैनेजर व दो अन्य स्टाफ उसको बुला रहा है। इतना कहकर वह घर से चला गया। उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। बीती २६ तारीख को घटना स्थल के कुछ दूरी के पास लावारिश अवस्था में मृतक युवक की बाइक बरामद हुई। जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। किसी अनहोनी की आशंका पर देर सुबह परिजनों को जिस स्थान पर लावारिस बाइक मिली थी। उसके आसपास क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी। जिससे झाड़ियों के बीच क्षत विक्षत अवस्था में शव मिला। सूचना के बाद मैगलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की बहन ने बताया कि मृतक युवक के द्वारा पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के कार्य के दौरान सेल्स कर्मियों का डीजल चोरी करते हुए एक वीडियो बना लिया गया था। जिसको लेकर मैनेजर व दो अन्य स्टाफ के द्वारा वीडियो डिलीट करने को बराबर दबाव बनाया जा रहा था। जिसकी वजह से ही पेट्रोल पंप के लोगों पर हत्या किया जाने का आरोप भी लगाया। मृतक युवक की डेढ़ साल पूर्व शादी हुई थी। फिलहाल पुलिस इस मामले में अभी कुछ कहने से बच रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मृतक की बहन सरिता देवी ने पंप के मैनेजर समेत दो अन्य पर नामजद तहरीर पुलिस को दी। घटनास्थल के पास पुलिस को कुछ खाली बोतलें व ढक्कन जिन पर स्कैनर चिपका हुआ था। वह मिले, पुलिस सारे सबूत इकट्ठे कर इस ओर भी कार्य करेगी। इस बाबत इंस्पेक्टर मैगलगंज रविंद्र पांडे का कहना है कि परिजनों की तरफ से तहरीर मिली है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

अन्तर्राज्यीय गिरोह के छह तस्कर ४.१३१ किलो अफीम के साथ गिरफ्तार

लखनऊ/बरेली। एसटीएफ बरेली को अन्तर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थ तस्करी करने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से ४.१३१ किलो अवैध अफीम बरामद की है, जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब २० लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में तेजराम, अंकित सिंह, शेर सिंह (सभी बरेली निवासी), वन्दन यादव (चतरा, झारखण्ड), मण्टू कुमार (हजारीबाग, झारखण्ड) तथा राजकुमार उर्फ देवाश वर्मा (बरेली) शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से दो कारें, छह मोबाइल फोन और ४,३४० नकद भी बरामद किए हैं। एसटीएफ की यह कार्रवाई एएसपी अब्दुल कादिर के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक अमित कुमार व उनकी टीम द्वारा की गई। गिरफ्तारी कैण्ट से बरेली जंक्शन जाने वाले मार्ग पर विजय द्वार के निकट रात लगभग ८:५७ बजे की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह झारखण्ड से अफीम लाकर बरेली समेत दिल्ली–एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में सप्लाई करता था। अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कैण्ट में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

४ नवंबर से फॉर्म, ७ फरवरी २०२६ को फाइनल लिस्ट, अगर आपके पास नहीं हैं ये दस्तावेज, तो कट जाएगा नाम, SIR पर EC ने जारी की पूरी सूची

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण की घोषणा करते हुए मतदाता सूची संशोधन के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची जारी की। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष पुनरीक्षण (SIR) किया जाएगा, उनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में २०२६ में चुनाव होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे स्पष्ट किया कि असम में, जहाँ २०२६ में चुनाव होने हैं, मतदाता सूची के पुनरीक्षण की घोषणा अलग से की जाएगी। एसआईआर के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची किसी भी केंद्र सरकार/राज्य सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश। ०१.०७.१९८७ से पहले भारत में सरकार/स्थानीय प्राधिकरण/बैंक/ डाकघर/एलआईसी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र/दस्तावेज। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र। पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन/शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी

स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/एससी/ एसटी या कोई भी जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ भी हो) राज्य/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर। सरकार द्वारा कोई भी भूमिधकान आवंटन प्रमाण पत्र। आधार के लिए, आयोग के पत्र संख्या २३१२०२५–ईआरएस/खंड II दिनांक ०६.०६.२०२५ द्वारा जारी निर्देश लागू होंगे। एसआईआर सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए: चुनाव आयोग उन्होंने बताया कि एसआईआर का पहला चरण बिहार में शून्य अपीलों के साथ पूरा हो गया था। कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'दूसरा चरण १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जाएगा। एसआईआर यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र मतदाता सूची में शामिल न हो। एसआईआर का मुख्य उद्देश्य क्या है? एसआईआर का मुख्य उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्मस्थान की जाँच करके उन्हें बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण है। एसआईआर के दूसरे चरण में ५१ करोड़ मतदाता शामिल होंगे। गणना प्रक्रिया ४ नवंबर से शुरू होगी, मसौदा मतदाता सूची ९ दिसंबर को और अंतिम मतदाता सूची ७ फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। बिहार में मतदाता सूची की सफाई का काम पूरा हो चुका है, लगभग ७.४२ करोड़ मतदाताओं की अंतिम सूची ३० सितंबर को प्रकाशित की गई। राज्य में मतदान दो चरणों में होगा – ६ नवंबर और ११ नवंबर को और मतगणना १४ नवंबर को होगी। चुनाव आयोग एसआईआर लागू करने की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ पहले ही दो बैठकें कर चुका है। कई सीईओ ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियाँ अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं।

न्यायालय आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी से जुड़ी ईडी की याचिका पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुंबई उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें धन शोधन के एक मामले में वसई–विरार नगर निकाय के पूर्व प्रमुख अनिल पवार की गिरफ्तारी को "अवैध" करार दिया गया था। ईडी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के २०१४ बैच के अधिकारी पवार को इस मामले में १३ अगस्त को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि आरोपी बिल्डरों और डेवलपर ने महाराष्ट्र नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से २००८–२०१० के दौरान अवैध निर्माण किया और ४१ इमारतें बनाईं। उच्च न्यायालय के १५ अक्टूबर के आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका सोमवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ

के समक्ष सुनवाई के लिए आई। पीठ ने ईडी की याचिका पर पवार से जवाब मांगा और मामले की सुनवाई तीन सप्ताह बाद तय की। पवार ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उन्होंने दावा किया था कि गिरफ्तार करने वाले अधिकारी द्वारा ऐसा करना अवैध और मनमाना था।

राहुल २९ अक्टूबर को बिहार में करेंगे चुनाव प्रचार का आगाज, मुजफ्फरपुर व दरभंगा में सभा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी २९ अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वह मुजफ्फरपुर के सकरा विधानसभा

क्षेत्र और दरभंगा में महागठबंधन समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन में दो संयुक्त जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के प्रमुख राजेश राठौड़ ने सोमवार बताया कि यह राहुल गांधी का विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पहला बिहार दौरा है। उनके अनुसार, राहुल गांधी सकरा (सुरक्षित) सीट से महागठबंधन द्वारा मैदान में उतारे गए उम्मीदवार उमेश राम के पक्ष में अपनी पहली सभा को संबोधित करेंगे। इसके पश्चात राहुल गांधी दरभंगा में राजद सहित महागठबंधन के उम्मीदवार के लिए आयोजित सभा में जनता से समर्थन की अपील करेंगे। राठौड़ ने कहा कि इससे पूर्व राहुल गांधी ने १६ दिनों तक लगातार बिहार के विभिन्न इलाकों में १३०० किलोमीटर की यात्रा की थी। यात्रा के बाद यह चुनावी मैदान में उनकी पहली बड़ी संयुक्त जनसभा होगी, जहां वे महागठबंधन की चुनावी रणनीति और मुद्दों को जनता के बीच मजबूत तरीके से उठाएंगे। गौरतलब है कि २४३ सदस्यीय बिहार विधानसभा के चुनाव दो चरणों में ६ और ११ नवंबर को होंगे तथा १४ नवंबर को मतगणना की जाएगी।

लखीमपुर खीरी में अखिल राष्ट्रीय पत्रकार संघ की बैठक सम्पन्न

लखीमपुर खीरी।आज अखिल राष्ट्रीय पत्रकार संघ की प्रथम महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों की सुरक्षा और सुविधाओं को सुनिश्चित करने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अब्दुल कवी ने की। उन्होंने कहा कि "पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उनके हितों की रक्षा संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।" उन्होंने संगठन विस्तार एवं सभी पत्रकारों को एक मंच पर लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जिला प्रभारी राहुल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के सामने कई चुनौतियाँ हैं, ऐसे में पत्रकारों को निष्पक्ष रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने प्रशासन एवं शासन तक पत्रकारों की समस्याएँ नियमित रूप से पहुँचाने का आश्वासन दिया। मार्गदर्शक नित्यानंद बाजपेयी ने कहा कि फील्ड में कार्यरत पत्रकारों को अक्सर सुरक्षा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिनका समाधान संगठन प्राथमिकता से करेगा। वहीं मार्गदर्शक कमल मिश्रा और देवेश कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संगठित और जागरूक रहने पर बल दिया। जिला महासचिव बलबीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद तलहा और मोहम्मद यूनुस ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, और संगठन उनके मनोबल को सशक्त बनाने हेतु निरंतर सक्रिय रहेगा। जिला सचिव अनुज गुप्ता ने बताया कि संगठन ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रहा है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। जिला संयोजक प्रशांत तिवारी व प्रभारी ओयल प्रशांत तिवारी ने बताया कि निकट भविष्य में तहसील स्तर पर पत्रकारों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पत्रकारिता की गुणवत्ता और अधिक सुदृढ़ हो सके। बैठक में सईद अंसारी, जावेद अंसारी, विशाल भारद्वाज, मुनेंद्र वर्मा, शैलेन्द्र सिंह, शिवम वर्मा सहित कई पत्रकार साथी उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को आगे बढ़ाने और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन शालीन एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

सरकार की छवि धूमल कर रही सुन्दरवल पुलिस

लखीमपुर खीरी। थाना फूलबेहड़ की पुलिस दीपावली में बिना लाइसेंस अवैध तरीके के पटाखे बिकवाने में मस्त रही दूसरी तरफ अंदेशनगर कस्बे में रमेश सिंह अपनी दुकान पर बैठकर दुकानदारी कर रहे थे इस समय दूसरे समुदाय के लोग जो पड़रिया कला के निवासी बताये जा रहे हैं वह लोग दुकान पर आकर के सामान को उलट पलट रहे थे जब इसका दुकानदार रमेश सिंह (भाजपा कार्यकर्ता) विरोध करने लगा तो वह लोग झूठा आरोप एक्सीडेंट का लगाने लगे तो रमेश सिंह के आवाज सुनकर चौराहे के लोग इकट्ठा हुए तो दूसरे समुदाय के अराजक तत्व भाग खड़े हुए। सुंदरवल पुलिस चौकी को कई बार फोन लगाया गया उन्होंने फोन नहीं उठाया। लोग बताते हैं कि इस समय पुलिस चौकी सुंदरवल पर दो–दो दरोगा चौकी क्षेत्र का कार्यभार देख रहे हैं परंतु अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा है जब भाजपा कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का होता होगा? पुलिस प्रशासन लगातार सरकार की छवि को धूमिल करता दिखाई दे रहा है।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद हथियार आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिवाली की रात तैमूर नगर में गोलीबारी की घटना के मामले में वांछित एक व्यक्ति को दक्षिण पूर्व दिल्ली में पुलिस से हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बीते पांच दिन से फरार हथियारों का आपूर्तिकर्ता तेजस उर्फ भरत (२८) आस्था कुंज पार्क इलाके में है, जिसके बाद उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पुलिस टीम ने जब तेजस को रोकने की कोशिश की तो उसने उस पर गोली चला दी। एक हेड कांस्टेबल की बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी।" अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आत्मरक्षा में गोली चलाई, जो उसकी बाईं टांग में लगी। उन्होने कहा कि उसे काबू में करके इलाज के लिए तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। पुलिस को मुठभेड़ स्थल से देसी पिस्तौल, तीन कारतूस और दो खोखे मिले हैं। जांच में पता चला है कि तेजस के खिलाफ हत्या का प्रयास, शस्त्र अधिनियम और आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत नौ मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि तेजस दिवाली की रात तैमूर नगर में हुई गोलीबारी की वारदात में शामिल था और तब से फरार था।

क्या आपके अधिकारी अखबार नहीं पढ़ते? आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को किया तलब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों से संबंधित मामले में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने में विफल रहने पर अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि अगर अधिकारी अगली सुनवाई की तारीख, ३ नवंबर को पेश नहीं हुए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने उन राज्यों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की जिन्होंने पशु जन्म नियंत्रण नियम, २०२३ के कार्यान्वयन पर हलफनामा प्रस्तुत नहीं किया है। अब तक केवल पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तेलंगाना ने ही इसका अनुपालन किया है। पीठ ने कहा कि अधिकारियों को मीडिया कवरेज के माध्यम से मामले की जानकारी होनी चाहिए थी। पीठ ने कहा क्या अधिकारियों ने अखबार या सोशल मीडिया नहीं पढ़ा? क्या

उन्होंने नहीं पढ़ा, अगर उन्हें सूचना नहीं दी गई तो भी उन्हें यहाँ होना चाहिए था। सभी मुख्य सचिव ३ नवंबर को यहाँ उपस्थित रहें... हम सभागार में अदालत लगाएँगे। पीठ ने चेतावनी दी कि अगर मुख्य सचिव पेश नहीं हुए, तो अदालत उन पर जुर्माना लगाएगी या कठोर कार्रवाई करेगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि लगातार ऐसी घटनाएँ हो रही हैं और देश की छवि विदेशों की नजरों में धूमिल हो रही है। हम भी समाचार रिपोर्टें पढ़ रहे हैं। जब एक वकील ने कुत्तों के प्रति क्रूरता का जिक्र किया, तो अदालत ने जवाब दिया इंसानों के प्रति क्रूरता का क्या? अदालत ने इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक लोगों और संगठनों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की। पीठ ने कहा अगर सभी आरडब्ल्यूए पक्षकार बनना चाहें... तो हमारे सामने कितने करोड़ पक्षकार होंगे। ऐसे सुझाव दें जो उचित हों।

२६ वर्षीय एक मेडिकल प्रतिनिधि की ऊंची इमारत से गिरने से युवक की मौत

नोएडा में २६ वर्षीय एक मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) की कथित तौर पर सेक्टर ७४ में स्थित एक आवासीय सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वह व्यक्ति कुछ दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह हाल में एक ऑनलाइन ऐप के जरिए जुड़ा था। सेक्टर ११३ पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) के जी शर्मा ने बताया, मृतक की पहचान अलीगढ़ निवासी शुभम कुमार के रूप में हुई है। वह रविवार सुबह सेक्टर ७४ स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी की आठवीं मंजिल से गिर गया। अधिकारी ने पीटीआई–को बताया, वह शनिवार को सोसाइटी में दोस्तों से मिलने गया था जिनसे वह ऑनलाइन ऐप से जुड़ा था। शर्मा ने बताया कि कुमार नोएडा में

मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के तौर पर काम करता था। घटना के बाद कुमार को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी ने बताया, मामले में जांच जारी है। घटनाक्रम का पता लगाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

स्वच्छता अभियान को ठेंगा दिखाता नगर पालिका परिषद लखीमपुर

लखीमपुर–खीरी ।साफ–सफाई हमारे समाज का हमेशा से हिस्सा रही है। फिर चाहे बात कलियुग की हो, त्रेता की या फिर उससे भी पहले की। शास्त्रों के अनुसार, देवी लक्ष्मी व अन्य भगवान वहीं वास करते हैं, जहां स्वच्छता होती है। स्वच्छता अच्छे स्वास्थ्य का पर्याय है लेकिन आज हम इतने आलसी हो चुके हैं कि अपने आस–पास लगे कूड़े के ढ़ेर आदि के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। आज इधर–उधर कूड़ा फेंककर हम कई बीमारियों को न्यौता दे रहे हैं। भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्राथमिकता में भी स्वच्छता थी लेकिन जरा अपने आसपास देखिए, क्या आपका मोहल्ला, शहर, राज्य, देश कितना साफ है? हालांकि वर्तमान सरकार मे खद्दर धारी हाथ में झाड़ू लेकर कचरा साफ करते हुए देखे जा सकते हैं लेकिन जमीनी सच्चाई क्या है वो सभी लोग जानते हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाँधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने हेतु स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। स्वच्छ भारत अभियान या स्वच्छ भारत मिशन २०१४, भारत सरकार द्वारा खुले में शौच को खत्म करने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के लिए शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है लेकिन कुछ पालिका प्रशासन ऐसे भी हैं, जो केवल स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए ही अपने शहर व गलियों में साफ–सफाई कराते हैं फिर पूरे साल शहर व नगर की स्थिति क्या है, इस पर ध्यान देना

भी उचित नहीं समझते। कूड़े की समस्या हमारे देश में बहुत बड़ी है। जैसे–जैसे भारत की आबादी बढ़ रही है, वैसे–वैसे प्रतिदिन कूड़ा निस्तारण की समस्या भी बढ़ रही है। प्रदेश के कई शहर व नगर ऐसे हैं, जहां कूड़े के ढेर उस नगर की सुंदरता पर एक दाग जैसे लगे पड़े हैं। इनका ठोस निस्तारण तभी हो पाएगा, जब उस शहर के प्रशासन की इच्छा शक्ति प्रबल होगी। ऐसा ही एक शहर है उत्तर प्रदेश का लखीमपुर–खीरी, जहां शहर से सटे लालपुर स्टेडियम भसडिया रोड स्थित कांशीराम कालोनी की मुख्य सड़क पर कूड़े के ढेर ऐसे लगे हैं, मानो इस सड़क की पहचान ही यही है। और बड़ी बात यह है कि शहर में लगे कूड़े के अधिकतर ढेर अवैध हैं और नगर पालिका परिषद लखीमपुर प्रशासन इस समस्या का स्थाई समाधान करने में असफल हो रहा है। शहर से सटे लालपुर स्टेडियम भसडिया रोड जो कि मुख्य रोड़ में से एक है जो जल निगम मुख्यालय आफिस का रास्ता भी है उस सड़क पर भी कूड़े के ढ़ेर लगे हुए हैं हालांकि पिछले कुछ दिनों से नहीं, बल्कि पांच से भी अधिक वर्षों से। उक्त सड़क पर काशीराम कालोनी के वाशिंदे ही यहीं अ न रोड़ लाकर फेंकते हैं। क्या पालिका प्रशासन लखीमपुर– खीरी को नहीं पता कि यहां कूड़ा कौन फेंक रहा है? क्या नगर पालिका नहीं चाहता कि गंदगी यहां से हटे? शायद चाहता है लेकिन कार्य करने के लिए इच्छा शक्ति भी तो होनी चाहिए! अब जरा सोचिए छुट्टा जानवर व गौवंश उस कूड़े कचरे को भोजन की तलाश में उसे खा रहे हैं उनके स्वास्थ्य का अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों व गौवंश केघ स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पालिका प्रशासन की प्राथमिकता उन कूड़े के ढेर को हटवाना चाहिएघ किन्तु ऐसा नहीं है। मैंने स्वयं स्थानीय प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में इसे लेकर लेख लिखे जो प्रमुखता से प्रकशित भी हुए, सिटिजन रिपोर्टर बन इन कूड़े के ढ़ेर की रिपोर्टिंग की, जिसमें नगर पालिका प्रशासन से इन समाज के दुश्मन कूड़े के ढ़ेरो को यहां से मुक्त कराने की अपील की लेकिन अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ा। इन्हीं कूड़े के ढ़ेर के बीच आसपास के जानवर, जैसे गौवंश व कुत्ते आदि अपना खाना ढूंढने आते हैं। बंद पन्नियों में खाना देख वे उसे पन्नी समेत ही खा जाते हैं और कई बार मैंने कुत्ते व गाय वहां मृत अवस्था में देखे भी हैं। शायद उनके मरने की वजह यह कूड़े का ढेर व इसमें पड़ी पन्नियां रही होंगी जिन्हें खाना समझकर उन बेजुबानों ने खाया होगा और वह पन्नी उनकी आंतों में जम गई होंगी, जिसका परिणाम उनकी मौत रही। अतः नगर पालिका प्रशासन के चौयरमेन ईरा श्रीवास्तव व ईओ संजय कुमार की यह नजअंदाजी ना केवल हम इंसानों के लिए खतरा बन रही है, बल्कि अब बेजुबान जानवर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। मैं पुनः अपने इस लेख के माध्यम से नगर पालिका प्रशासन से यह अपील करना चाहूंगा कि वृहद स्तर पर समस्त काशीराम कालोनी वासियों को घर में ही कूड़ा निस्तारण के तरीके बताएं, आवश्यकता पड़े तो इसे अनिवार्य करें व साथ ही शहर की मुख्य सड़कों पर लगे ये कूड़े के ढेरों को सदा के लिए हटाया जाए ताकि नगर व कस्बा कूड़ा मुक्त हो और यह दाग हमारे शहर से हटे।

राजधानी में तीन थानाक्षेत्र के पांच घरों व मंदिर से चोरों ने लाखों के माल किया साफ

लखनऊ। राजधानी में तीन थानाक्षेत्र के पांच घरों व मंदिर से चोरों ने लाखों के माल साफ कर दिये। चोरों ने कर्नाटक के पूर्व डीजीपी, मंदिर समेत चार लोगों को निशाना बनाया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। अलीगंज सेक्टर जी में डॉ. ऋषिका राज व उनके पति डॉ. नितिन कुमार श्रीवास्तव रहते हैं। डॉ. नितिन कर्नाटक के पूर्व डीजीपी महेंद्र कुमार श्रीवास्तव के भांजे हैं। डॉ. ऋषिका राज के मुताबिक उनके पति नितिन ओमान के सलाला शहर में तैनात हैं। पूरा परिवार उनसे मिलने के लिए १६ अक्टूबर को सलाला गया था। दीपावली तक घर का रखरखाव पुराने नौकर आकाश रावत को सौंपा गया था। आकाश ने २० अक्टूबर को दीपावली की पूजा की। इसके बाद वह गांव चला गया। २६ अक्टूबर को वापस लखनऊ आना था। उसी दिन आकाश वापस गाड़ी लेकर पहुंचा। घर का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा हुआ था। घर पहुंचने के बाद देखा कि सास, बेटियों और उनके जेवर चोरी हो गये थे। आलमारी से २.२५ लाख रुपये नकदी भी गायब थी। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे व डीवीआर भी चोरी हो गया। चोरी गये जेवर की कीमत करोड़ों में बताई है। इंस्पेक्टर अलीगंज अशोक कुमार सोनकर के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं तालकटोरा के राजाजीपुरम स्थित मोनार्क सिटी कालोनी में शिवेश्वर महादेव मंदिर में दो घंटे चोरी हो गये। घटना २५ अकटूबर की सुबह की है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में मोनार्क सिटी निवासी आशीष शुक्ला ने तालकटोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंदिरानगर के तकरोही कोमल सिटी निवासी आनंद कुमार के मुताबिक वह १६ अक्टूबर को परिवार के साथ ऐशबाग स्थित ससुराल में गये थे। वहां ससुर की तेरहवीं में शामिल हुये। वापस आये तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर आलमारी से चोरों ने लाखों रुपये के जेवर और ७० हजार नकदी साफ कर दिये। इसी तरह नंदन निवास लेन शिवाजीपुरम में रवि यादव के मकान में किराये पर रहने वाले रामबली तिवारी के मुताबिक २४ अक्टूबर को जानकारी मिली की घर का ताला तोड़कर चोरी हो गई है। घर पहुंचे तो देखा कि २५ हजार नकदी, लाखों रुपये के जेवर व कीमती कपड़े चोरी हो गये थे। पीड़ित की तहरीर पर इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। इंदिरानगर सेक्टर–१३ निवासी हीरक भट्टाचार्या के मुताबिक वह २४ सितंबर को परिवार के साथ नोएडा में बेटे के पास गये थे। १६ अक्टूबर को अपने मोबाइल पर सीसीटीवी कैमरे देख रहे थे। इसी बीच दिखा कि १५ अक्टूबर की रात १.५० बजे घर के अंदर दो लोग घुसे हैं। सामान उठाकर ले जा रहे हैं। तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस ने पड़ोसी की मदद से अंदर दाखिला लिया तो सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने अंदर के सारे ताले तोड़ दिये थे। लखनऊ पहुंचा तो देखा ३.५० लाख रुपये के जेवर व २.५० लाख रुपये नकदी के अलावा कई साल से जुटाये गये पुराने सिक्के, रजिस्ट्री पेपर चोरी हो गये। फुटेज में चार लोग घर के अंदर दाखिल हुए दिखे थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रही है।

योगी सरकार की बड़ी पहल : UP के ३२८८ विज्ञान-गणित शिक्षक बनेंगे कौशल शिक्षक, बच्चों को बनाएंगे दक्ष

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार बच्चों में रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर अब 'सीखो करके' (लर्निंग बाई डूइंग) की संस्कृति विकसित करने के लिए राज्य सरकार शिक्षण पद्धति में व्यापक नवाचार लागू कर रही है। इस क्रम में प्रदेश के ३२८८ विज्ञान एवं गणित अध्यापकों को कौशल–आधारित शिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ऐसे शिक्षकों को तैयार करना है जो विद्यालय स्तर पर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को प्रयोगशाला, प्रोजेक्ट, मॉडल, गतिविधि और वास्तविक जीवन अनुभवों से जोड़कर पढ़ा सकें। यह प्रशिक्षण दो चरणों में होगा। पहला चरण ३ नवंबर से १४ फरवरी २०२६ तक दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, लखनऊ में १८८८ अध्यापकों के लिए तथा दूसरा चरण १६ फरवरी से १८ मार्च २०२६ तक उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ में १४०० अध्यापकों के लिए आयोजित होगा। आवासीय प्रारूप

में होने वाला यह महाकैंप कुल ६६ बैचों में संपन्न होगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में कक्षाएं ऐसी हों जहाँ 'याद करने' के बजाय 'समझने, परखने और खोजने' पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० (एनईपी–२०२०) के मूल दर्शन के अनुरूप है और बच्चों को स्किल–इकोन मी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग तथा नवाचार–प्रधान भारत की आवश्यकताओं के लिए तैयार करेगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि विभाग का प्रयास है कि बच्चे निःसंकोच प्रश्न पूछें, विद्यालयों की प्रयोगशालाएं जीवंत हों और शिक्षक हर विद्यार्थी में सोचने की शक्ति जगाने का माध्यम बनें। उन्होंने कहा कि यही भविष्य के उत्तर प्रदेश की बुनियादी शिक्षा व्यवस्था की नई पहचान होगी। वहीं शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जब बच्चा खुद प्रयोग करता है, वस्तुओं से खेलते हुए सीखता है, प्रश्न पूछता है और समाधान खोजता है, तो उसकी जिज्ञासा, तार्किक सोच, वैज्ञानिक दृष्टि और समस्या–समाधान क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। यही श्लर्निंग बाय डूइंगश की सबसे बड़ी शक्ति है, जो बच्चों को निष्क्रिय श्रोता से सक्रिय शिक्षार्थी में बदल देती है।

SIR की घोषणा के बाद सपा से आई पहली प्रतिक्रिया, डिंपल यादव ने उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा १२ राज्यों में विशेष सघन परीक्षण (एसआईआर) कराया जाना भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। मैनपुरी में कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहा ष्इतने वर्षों से चुनाव हो रहे हैं, क्या वे सभी अलोकतांत्रिक थे। अगर नहीं, तो अब एसआईआर कराने के पीछे आखिर मंशा क्या है। यह कदम लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश है।ष डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जब–जब सत्ता में आती है,तब–तब पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाएं होती हैं। सरकार आज तक इतनी बड़ी घटनाओं को करने वालों को पकड़ नहीं पाई है। संसद में जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की बात कहने वाली भाजपा अपने वायदे पर खरी नहीं उतरी। भाजपा झूठे वायदे करती है। उन्होंने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार अपने ही वादों पर खड़ी नहीं उतरती। जम्मू–कश्मीर में हुई बड़ी घटनाएं इसका उदाहरण हैं। मैनपुरी में उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और भाजपा

सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताया। डिम्पल यादव ने कहा 'सरकार विरोधी नेताओं की जासूसी करवा रही है,सबको मालूम है कि सरकार फोन टेप कराती है। पत्रकारों द्वारा उत्तर प्रदेश में डीएपी खाद की कमी पर पूंछे गए सवाल का जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की हालत खराब है। तीन सालों से किसान खाद की कमी से जूँझ रहे हैं। खाद की कालाबाजारी हो रही है। इन सब के लिए सरकार की नीतियाँ जिम्मेदार हैं।'

डूबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य, छठी मैया के जयघोष से गूंज उठा पूरा देश, हर घाट पर उमड़ी आस्था की लहर

नई दिल्ली। देशभर में आज लोक आस्था का महापर्व छठ अपने चरम पर रहा। जब डूबते सूरज को अर्घ्य देने का क्षण आया, तब हर घाट, हर जलाशय, हर छत और हर बालकनी से भक्ति की गूंज उठीं "छठी मइया के जयकारे लगल बा " यह श्य अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय था। सर पर टोकरी लिए श्रद्धालु पुरुष, सिर पर चुनरी ओढ़े गीत गाती महिलाएं और उनके संग चलती बच्चों की टोली, पूरा वातावरण मानो एक जीवंत लोककथा बन गया था। सूर्यदेव के समक्ष हाथ जोड़े लोगों में भक्ति की आभा झलक रही थी और हर श्रद्धालु के चेहरे पर 'आस्था का तेज' स्पष्ट दिख रहा था। छठ व्रतियों ने जब डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, तब ऐसा प्रतीत हुआ मानो जल ही नहीं, आत्मा भी सूर्य में विलीन हो रही हो। व्रतियों के होंठों पर लोकगीत थे और वातावरण में धूप, गन्ना, ठेकुआ और लाल सूरज की आभा एक साथ घुलमिलकर संस्कार, श्रद्धा और संस्कृति का संगम रच रही थी। देश के हर हिस्से में, चाहे वह दिल्ली–नोएडा का

आधुनिक अपार्टमेंट हो या पटना का गंगाघाटेंछठ की भव्यता का एक ही रंग था– समर्पण। दिल्ली–एनसीआर में जब श्रद्धालुओं ने एक स्वर में सूर्यदेव को नमन किया, तो लगा कि महानगरों की भागदौड़ के बीच भी भारतीय परंपरा का दीपक अभी जल रहा है। वहीं राज्य सरकारों और सामाजिक संगठनों की ओर से की गई व्यवस्थाओं ने इस पर्व को और भी सुव्यवस्थित बना दिया। हर घाट पर सुरक्षा, स्वच्छता और सेवा के भाव का सुंदर समन्वय देखने को मिला जिससे श्रद्धालु खुश नजर आये। उधर, बिहार में यह पर्व अपने पारंपरिक वैभव के साथ–साथ इस बार राजनीतिक चमक से भी सराबोर रहा। चुनावी मौसम में भी छठ का सूर्य किसी दल का नहीं, बल्कि जनभावना का प्रतीक बन गया। गंगा घाटों पर उमड़ी लाखों की भीड़ ने एक स्वर में कहों "सूर्य ही साक्षी हैं, श्रद्धा ही पहचान है।" हम आपको बता दें कि मंगलवार सुबह जब उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, तब यह चार दिवसीय महापर्व संपन्न होगा। लेकिन यह समाप्ति नहीं, बल्कि नवआरंभ होगीं क्योंकि छठ हमें याद दिलाता है कि भले ही जीवन में अंधकार आए, परंतु सूर्य फिर उगता है, और हर बार हमारे भीतर की आस्था उसे देखने को तैयार रहती है।

व्यवस्था ठीक करने के बजाय जुमलेबाजी में व्यस्त है योगी सरकार : संजय सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर सामाजिक समरसता और कानून व्यवस्था को संभालनें में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुये आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि सरकार स्थिति को संभालने के बजाय जुमलेबाजी में मशगूल है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय

सिंह ने सोमवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पासी समाज के एक बुजुर्ग को मंदिर में पेशाब चटवाने की घटना, उन्नाव में १४ साल के किशोर ऋतिक यादव को पीट–पीट कर मार डालना, एक कुर्मी जाति के ग्राम प्रधान के घर पर हमला और जातिसूचक गालियां देना जैसी अप्रिय स्थितियों में बदलाव लाने के बजाय सरकार नाम बदलने, बुलडोजर चलाने और जुमलेबाजी में व्यस्त है। सरकार रोजगार और किसान की फसल का दाम जैसे आम आदमी से जुड़े सवालों का जवाब नहीं दे रही है। उन्होने कहा कि उनकी पार्टी १२ नवंबर से २४ नवंबर तक सरयू से संगम तक एक पदयात्रा निकालेगी, जिसके दो प्रमुख मुद्दों 'रोजगार दो' और 'सामाजिक न्याय दो' पर प्रांत अध्यक्षों द्वारा पूरे प्रदेश में बैठकों का आयोजन, पर्चा, पोस्टर, होर्डिंग लगाने और सभाओं की तैयारी जोर–शोर से चल रहा है। जारी किए गए मिस्ड कॉल नंबर पर अब तक करीब तीन हजार मिस्ड कॉल आ चुकी हैं, जिनमें लोग पदयात्रा को किसी न किसी रूप में समर्थन देना चाहते हैं। सुल्तानपुर के सीएमएस को हटाये जाने पर सवाल उठाते हुये संजय सिंह ने कहा कि सुल्तानपुर के बीरसिंहपुर सरकारी अस्पताल में हफ्ते में सिर्फ एक दिन अल्ट्रासाउंड होता है और सारी दवाएँ बाहर से लिखी जाती हैं। यह उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलता है, जहाँ मोमबत्ती से ऑपरेशन और बैलगाड़ी से प्रसव कराने जैसी घटनाएँ सामने आती हैं। उन्होने कहा कि आप के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे के धरने के दौरान, सीएमएस ने कथित तौर पर कहा कि अगर पुतला फूँकना है तो योगी जी का पुतला फूँकिए। इस बयान के बाद सीएमएस को सस्पेंड कर दिया गया। सांसद ने कहा कि व्यवस्था सुधारने के बजाय सीएमएस को सस्पेंड कर दिया गया। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र समाधान करने की मांग की, अन्यथा पार्टी को बड़े स्तर पर आंदोलन करना पड़ेगा। सिंह ने कहा कि एलआईसी के ३३ हजार करोड़ रुपये का निवेश उद्योगपति गौतम अडानी समूह में कर केंद्र सरकार ने लोगों का विश्वास तोड़ा है। यह निवेश ऐसे समय में किया गया जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी की कंपनी डूबने लगी थी, और निवेशक पैसा निकाल रहे थे।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के २०२५–२६ चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई, जो चार नवंबर को होने वाले मतदान के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है। चुनाव समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवार सोमवार को सुबह साढ़े नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। मंगलवार सुबह १० बजे वैध नामांकनों की सूची जारी की जाएगी। उसके बाद उसी दिन दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक नामांकन वापस लिए जा

सकेंगे। उम्मीदवारों की अंतिम सूची शाम सात बजे जारी की जाएगी, जिसके बाद रात आठ बजे प्रेस वार्ता और प्रचार स्थलों का आवंटन किया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया २४ अक्टूबर को अस्थायी मतदाता सूची के प्रकाशन और संशोधन के साथ शुरू हुई। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ आने वाले दिनों में पूरे विश्वविद्यालय परिसर में चुनाव प्रचार तेज होने की उम्मीद है। मतदान चार नवंबर को होगा और नतीजे छह नवंबर को घोषित किए जाएंगे। जेएनयू छात्र संघ के २०२४–२५ चुनावों में वाम समर्थित समूहों ने चार केंद्रीय पैनल पदों में से तीन पर जीत हासिल की थी जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने संयुक्त सचिव की सीट हासिल की थी।

सरकारी भवनों को दिव्यांग हितैषी बना रही योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में योगी सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष २०२५–२६ में सुगम्य भारत अभियान के दूसरे चरण के तहत राजधानी लखनऊ के पांच प्रमुख सरकारी भवनों को दिव्यांगजन हितैषी बनाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इसके लिए बकायदा १२ करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि पर स्वींत कर ली गई है। यह न केवल दिव्यांगों के लिए सरकारी भवनों में सुगम आवागमन सुनिश्चित करेगी, बल्कि सरकारी कार्यालयों को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। जनकल्याण की योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही योगी सरकार सुगम्य भारत अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतः सुलभ बना रही है। योगी सरकार ने इसे प्रदेश स्तर

पर जोर–शोर से लागू किया है। भवनों का चिन्हित किया जा रहा है। इसके दूसरे चरण में लखनऊ के पांच भवनों को चिन्हित किया गया है। इसमें योजना भवन (हैवल क रोड), सिंचाई भवन (कैनाल कालोनी, कैन्ट रोड), जिला सेवायोजन कार्यालय (लालबाग), विकास अनुवेषण, मूल्यांकन एवं प्रयोग तथा प्रशिक्षण प्रभाग (कालाकांकर हाउस, पुराना हैदराबाद) और सूडा नवचेतना केंद्र (१० अशोक मार्ग) शामिल हैं। इन भवनों में रैंप, लिफ्ट, ब्रेल साइनेज, व्हीलचेयर फ्रेंडली सैनिटरी यूनिट्स और विशेष पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कार्य एक्सेस अ डिट रिपोर्ट के अनुरूप होंगे, जिसमें लिफ्ट कार का आकार व्हीलचेयर सहित दो व्यक्तियों के लिए पर्याप्त रखा जाएगा, ताकि दिव्यांगजन सहजता से आ–जा सकें। ष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जबकि श्रवणबाधितों के लिए साइन लैंग्वेज सपोर्ट और विशेष अलार्म सिस्टम लगाए जाएंगे। दिव्यांगों के सम्मानजनक जीवन को बढ़ावा देने वाली नीतिगत प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

DM मुरादाबाद, VC MDA की शिकायत

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने मुरादाबाद के सिविल लाइंस इलाके में एक निजी अस्पताल द्वारा अवैध कब्जा किए जाने के आरोपों के संबंध में यूपी के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ को शिकायत भेजी है। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि उन्हें डीएम मुरादाबाद अनुज सिंह द्वारा एमडीए के उपाध्यक्ष को कथित रूप से भेजा एक पत्र प्राप्त हुआ है. इसके अनुसार ग्राम छावनी, तहसील मुरादाबाद के गाटा संख्या ४७० का कुल क्षेत्रफल ४.६५ एकड़ (२००३२ वर्ग मीटर) है जिसमें मात्र २७१३ वर्ग मीटर फ्री होल्ड भूमि है और १७३१८ वर्ग मीटर भूमि सरकारी नजूल जमीन है. इस पर बिना डीएम के अनुमति के कोई कार्य नहीं हो सकता है. अमिताभ ठाकुर ने कहा कि उन्हें सिविल लाइंस क्षेत्र में डॉ महेश राठी द्वारा फर्जी एनओसी के माध्यम से एमडीए से नक्शा पास कर कर ६००० वर्गमीटर से अधिक नजूल भूमि पर तेजी से बहुमंजिली डीआरएम अस्पताल का निर्माण किए जाने और डीएम मुरादाबाद और एमडीए उपाध्यक्ष के पूरी तरह मूकदर्शक रहने की जानकारी दी गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से शासन स्तर पर इसकी जांच करा कर सरकारी जमीन को बचाने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

कपिल शर्मा संग 'किस किस को प्यार करूं २' में दिखेंगी पारुल गुलाटी

मुम्बई। मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब १५ साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली ब लीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है 'किस किस को प्यार करूं २', जिसमें वह भारत के क मेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस मौके को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है। पारुल ने कहा, "इतने वर्षों में मैंने कई अलग–अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार क मेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा। 'किस किस

को प्यार करूं २' में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर २३ अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा–तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी–मजाक और मनोरंजन होने वाला है। फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास–मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास–मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और १२ दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म २०१५ में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

'जन्नत' फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की 'मिर्जापुरः द फिल्म' में हुई एंट्री

'जन्नत' फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री 'मिर्जापुररू द फिल्म' में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है प्रिय सोनल, हम आपको 'मिर्जापुर' की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं।सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा मैं 'मिर्जापुररू द फिल्म' में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

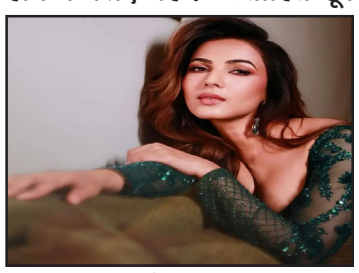

इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या–क्या दिखाने वाले हैं। इस आइक निक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक ब डी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम–थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म २०२६ में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; cktiabZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक